



### Media Coverage:

## Uttar Pradesh Government MoU with IIT Kharagpur for adoption of Speed Management Guidelines

The Statesman:

UP govt signs MoU with IIT Kharagpur to curb road fatalities

<https://www.thestatesman.com/india/up-govt-signs-mou-with-iit-kharagpur-to-curb-road-fatalities-1503482236.html>

Samar Saleel:

यूपी सरकार, IIT खड़गपुर और रोड से 4 नीनेटवर्क की साझेदारी, सड़क सुरक्षा के लिए लागू होगा 'सेफ्टी सिस्टम अप्रोच'

<https://samarsaleel.com/up-government-iit-kharagpur-and-road-safety-network-partnership-will-apply-for-road-safety/495007>

Instant Khabar:

सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए यूपी सरकार ने IIT खड़गपुर, रोड से 4 नीनेटवर्क से मिलाया हाथ

<https://www.instantkhabar.com/item/to-prevent-road-accidents-up-government-joined-hands-with-iit-kharagpur-road-safety-network.html>

Sarkari Manthan:

यूपी सरकार, IIT खड़गपुर और RSNM की साझेदारी, सेफ्टी सिस्टम अप्रोच से सड़क दुर्घटनाओं में सुरक्षा

<https://sarkarimanthan.com/partnership-between-up-government-iit-kharagpur-and-rsn-reliability-ensured-by-saif-system-approval>

#### **Morning Point:**

यूपीसरकार, IIT खड़गपुर व रोड से 4 की नेटवर्क से सड़क सुरक्षा के लिए सेफिस प्रणाली को लागू करने के लिए साझेदारी की

[https://morningpoint.in/up-government-iit-kharagpur-and-road-safety-network-formed-partnership-for-implementing-safe-system-approach-for-road-safety/25708/#google\\_vignette](https://morningpoint.in/up-government-iit-kharagpur-and-road-safety-network-formed-partnership-for-implementing-safe-system-approach-for-road-safety/25708/#google_vignette)

#### **ChirshTimes:**

उत्तर प्रदेश, आईआईटी खड़गपुर और रोड से 4 की नेटवर्क से सड़क सुरक्षा के लिए सेफिस प्रणाली को लागू करने के लिए साझेदारी की

<https://www.cherishtimes.in/uttar-pradesh/78248>

#### **HindiDaily:**

उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड से 4 की नेटवर्क से सड़क सुरक्षा के लिए सेफिस प्रणाली को लागू करने के लिए साझेदारी की

[https://hindidailybharatmanjari.blogspot.com/2025/09/blog-post\\_79.html](https://hindidailybharatmanjari.blogspot.com/2025/09/blog-post_79.html)

#### **VoiceofLucknow:**

उत्तर प्रदेश सरकार ने IIT खड़गपुर और रोड से 4 की नेटवर्क से सड़क सुरक्षा के लिए सेफिस प्रणाली को लागू करने के लिए साझेदारी की

<https://voiceoflucknow.com/uttar-pradesh-government-joined-iit-kharagpur-and-road-safety-network-safe-system-will-apply-for-road-safety/105259/>

#### **UP18News:**

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यूपी की योगी सरकार और IIT खड़गपुर ने बड़ा करार

[https://up18news.com/yogi-government-of-up-and-iit-kharagpur-have-made-a-big-deal-to-reduce-road-accidents/#google\\_vignette](https://up18news.com/yogi-government-of-up-and-iit-kharagpur-have-made-a-big-deal-to-reduce-road-accidents/#google_vignette)

[Dailyhunt](#)

Electronic:

NewsWani:

यूपीम ~~सड़क~~ सुरक्षा को मिलेगी टे4ोलॉजी की ताकत

<https://www.youtube.com/watch?v=z7MD5efAytU>

Navsatta

## रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए की साझेदारी

संवाददाता

लखनऊ, 06 मितम्बर (नवसत्ता)। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय जैवोत्पत्ती संस्थान खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सैफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है-जो एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो टैक्निक पोर्टल और म्यूचुअर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है।

यह एमओयू उत्तर प्रदेश जूनियर इंजीनियरिंग के दौरान इंजिनियरों के प्रतिष्ठान लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को MoRTH 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक



हैं। राज्य में मूलतः 2022 की तुलना में 4.7 प्रतिशत बढ़ी है, और केवल ओवरसपीडिंग के कारण लगभग 70 प्रतिशत मौतें हुईं।

सड़क दुर्घटनाओं ने कोविड-19 माफ़मारी से भी अधिक ज़ामें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को परस्पर जोड़ लेंगे से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक रूप से बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें

मुख्य जोरिधम कारकों-ओवरस्पीडिंग, ज़रूरत पीकर ड्राइविंग हेल्मेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना-को संबोधित करना होगा, साथ ही निश्चित ड्राइवर परीक्षण, मेडिकल फिटनेस जांच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। आईआईटी खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उद्योगों के तकनीकी कार्यान्वयन को प्रभावित करेगी, जिससे नीति और विज्ञान दृष्टि में हाथ डालकर उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक मॉडल बनाने का कदम सड़क सुरक्षा हमारे सरकार को शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।

आईआईटी खड़गपुर के साथ यह सहयोग हमारी रीतिरिवाज और तत्परता को दर्शाता है। प्रमाण-आधारित रणनीतियों, गति प्रबंधन और सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएंगे। राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान और हाल ही में अपनाए गए स्पीड मैनेजमेंट स्ट्रैटेजी के आधार पर इस पहल में आईआईटी खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति नेतृत्व क्षमता के साथ जोड़ा गया है। रोड सेफ्टी नेटवर्क और सड़क सुरक्षा कक्षागत में अग्रणी एनटीओ Consumer VOICE भी सार्वजनिक जागरूकता, जनसंदेश और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

एक तकनीकी सलाहकार समूह, जिसमें अकादमिक, सरकारी और नागरिक समान के निरोधक शामिल हैं, हस्तक्षेपों को मार्गदर्शन देगा, प्रगति को निगरानी करेगा और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करेगा। प्राथमिक क्षेत्र में उच्च-जोखिम मार्गों पर गति प्रबंधन तकनीक

आधारित दुर्घटना डेटा प्रबंधन, सुरक्षित सड़क डिजाइन और व्यपक जन शिक्षा शामिल है। आईआईटी खड़गपुर के डिजिटल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य डॉ. धीरेंद्र मेहता ने कहा, हमारा दृष्टिकोण नीति और विज्ञान को मिश्रित करना है-सुनिश्चित करना कि हर हस्तक्षेप डेटा-आधारित हो और माफ़ने योग्य प्रभाव के लिए निगरानी को जाए। गति प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा है।

यह एमओयू उत्तर प्रदेश की सड़क सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार, आईआईटी खड़गपुर और नागरिक समान को एक साथ लाकर, हम तकनीकी समर्थन को यहां लागू कर सकते हैं, जहां यह सबसे ज्यादा माफ़ने सक्षम है-मुख्य जोरिधम कारकों जैसे कि ओवरसपीडिंग, हेल्मेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, ज़रूरत पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना। यह सहयोग डेटा आधारित जानकारी को तकनीकी जीवनशैली कार्यों में बदलने का ज़रूरी प्रदान करता है।

SamacharJyothi

# उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की



लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता

प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण है, जो ट्रैफिक चेटी और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह MoU उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इन्वेंट के

यौवन द्वारा जारी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्पन्न होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में, परिवहन मंत्री श्री योगेश सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में साक्षात्कारित किया गया। इस समझौते की आवश्यकता को MoRTH 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7 प्रतिशत बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70 प्रतिशत मौतें हुईं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं में COVID-19 महामारी से भी अधिक जर्मने ली है, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं की चरमबद्ध तैयारी से शुरू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के

उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि जनजात में नए कानून और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख नवीचम सड़कों—ओवरस्पीडिंग, खतरा पैदा करने वाले ड्राइविंग, बेल्स और सैफ्टील्स का उपयोग न करना—को संबोधित करना होगा, साथ ही निर्धारित ड्राइवर परीक्षण, मेडिकल फिटनेस जांच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। IIT खड़गपुर के साथ यह समझौता हमारे सड़क सुरक्षा उपायों के तकनीकी कार्यान्वयन को मजबूत करेगा, जिससे स्थिति और निश्चय रूप से साथ-साथ उत्तर प्रदेश की जनता के लिए एक नई राह खोलने में मदद करेगा।

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री योगेश सिंह ने कहा, सड़क सुरक्षा हमारे समाज की सबसे प्राथमिकताओं में से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह समझौता हमारी रणनीति और तत्परता को दर्शाता है। प्रमाण-आधारित रणनीतियों, की प्रवृत्ति और सतत प्रशिक्षण के माध्यम से, हम

जीवन बचाएंगे और हा नवीचम के लिए सुनिश्चित करेंगे।

रोड सेफ्टी एक्शन प्लान (SRSAP) और सतत रूप से अपडेटेड या सॉल्यूशन-आधारित साझेदारी के अभाव में, इस पक्ष में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को इस प्रोजेक्ट की बेसिनेस के साथ जोड़ना आवश्यक है। रोड सेफ्टी नेटवर्क (RSN) और सड़क सुरक्षा निगरानी में अपनी NGO Consumer VOICE की सार्वजनिक जागरूकता, जांचकर्ता और ड्राइवर-आधारित इलाके को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक तकनीकी समझौता समूह, जिसमें अकादमिक, सरकारी और नागरिक समूह के विशेषज्ञ शामिल हैं, इन क्षेत्रों को मॉनिटरिंग, प्रगति की निगरानी करेगा और प्रमाण-आधारित नीति निर्धारण सुनिश्चित करेगा। प्राथमिक क्षेत्र में कानून-निर्देशन जारी पर भी प्रशिक्षण, तकनीक आधारित दुर्घटना डेटा प्रबंधन, सुनिश्चित सड़क डिजाइन और निगरानी जैसे विशेष शामिल हैं।

SpashtVakta

## उत्तर प्रदेश, आईआईटी खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की



लखनऊ, स्पष्टवक्ता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए चरणबद्ध कार्रवाई, कड़ाई से कानून लागू करने और IIT खड़गपुर से तकनीकी समर्थन की अपील की। लखनऊ, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रूप दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण है, जो ट्रैफिक चेटी और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह रूप उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इन्वेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में

सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त वी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को स्पष्टवक्ता 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7 प्रतिशत बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70 प्रतिशत मौतें हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं में COVID-19 महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है।



## उत्तर प्रदेश, आईआईटी खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की



लखनऊ, स्पष्टवक्ता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए चरणबद्ध कार्रवाई, कड़ाई से कानून लागू करने और IIT खड़गपुर से तकनीकी समर्थन की अपील की। लखनऊ, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह स्मृति दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्राफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह स्मृति उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में

सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को स्मृति 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक हैं। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7 प्रतिशत बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70 प्रतिशत मौतें हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19 महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है।

## CM Yogi Adityanath urges phased action, strict enforcement, and technical support from IIT Kharagpur to make UP roads safer.

Uttar Pradesh, IIT Kharagpur and Road Safety Network Partner to Implement Safe System Approach for Road Safety

UP reports highest road deaths in last seven years. Collaboration aims at systemic address with measurable outcomes.

Lucknow, 6th September 2023 — In a landmark move to curb road fatalities, the Government of Uttar Pradesh has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Indian Institute of Technology (IIT) Kharagpur to implement the globally recognized Safe System Approach—an evidence-based framework proven to reduce traffic injuries and deaths. The MoU was signed during the Uttar Pradesh Transport Summit at India Samiti Pratishthan, Lucknow. In the presence of Hon'ble Chief Minister Yogi Adityanath, Transport Minister Shri Dayashankar Singh, Transport Commissioner Shri B.N. Singh, among others.

The urgency of this collaboration is highlighted by the MoRTH 2022 report which recorded 23,652 deaths and over 44,000 accidents in Uttar Pradesh, the highest in the country. Notably, in the same month of 4.7%, compared to 2022, with over speeding alone accounting for nearly 70% of deaths.

Speaking on the occasion, Hon'ble Chief Minister Yogi Adityanath said, "Road deaths have taken more than 10 lakh lives since the COVID-19 pandemic, and this is one of the greatest challenges we face. It is time to take a systemic approach to road safety, not just a patchwork of solutions, but a long-term vision that implemented

in a phased manner. Road safety requires not just infrastructure upgrades but also behavioural change and strict enforcement of laws. We must address the

entire system. Uttar Pradesh's policy emphasis, The Road Safety Network (RSN), and Consumer VOICE, a leading NGO in road safety advocacy, are

they matter most, setting priority measures like speeding, misuse of helmets and seatbelts, drunk driving and distracted driving. This collaboration goes as the framework to turn case-driven insights into real, life-saving action on the ground. Road Ashim Sangal, CEO, Consumer VOICE and Member, Road Safety Network.

The first phase of the partnership will include a statewide situational analysis, district-level engagement, and public consultations to shape the implementation of SRSAP. Regular monitoring and transparent reporting will keep the initiative accountable and aligned with its long-term vision of reducing road traffic deaths.

About the Uttar Pradesh Road Safety Mission. The Uttar Pradesh Road Safety Mission is state's flagship program to reduce road traffic deaths and injuries through systemic, scalable and sustainable interventions.

About IIT Kharagpur. IIT Kharagpur is a premier Indian institution known for pioneering research, technology development, and policy advocacy in road safety and transportation engineering.

About Consumer VOICE. Consumer VOICE is a leading consumer advocacy organization committed to promoting road safety and public welfare in India. Consumer VOICE works in product, consumer rights, through evidence-based campaigns and publications, it empowers citizens to demand accountability and contribute to making Indian roads safer.



leading risk factors—over speeding, drunken driving, non-use of helmets and seatbelts—while ensuring regular driver training, medical fitness checks, and use of modern technology. This collaboration with IIT Kharagpur will strengthen the technical implementation of our road safety measures, ensuring that policy and scientific work hand-in-hand to make Uttar Pradesh a model for India.

Road safety is our top priority for our state ahead. The collaboration with IIT Kharagpur reflects our seriousness and determination to address the challenge with urgency. Through evidence-based strategies, speed management, and stronger enforcement, we will save lives and build safer roads for every citizen," said Shri Dayashankar Singh, Transport Minister, Government of Uttar Pradesh.

Building on the State Road Safety Action Plan (SRSAP) and the newly adopted Speed Management Guidelines, the initiative combines IIT Kharagpur's technical

also playing a vital role in supporting public awareness, accountability, and evidence-based interventions.

A Technical Advisory Group, comprising experts from academia, government, and civil society will steer interventions, monitor progress, and ensure evidence-based policymaking. Priority areas include speed management of high-risk corridors, technical optimization of road design, and widespread public education.

Our vision is to systematize policy and science ensuring every intervention is data-driven and monitored for measurable impact. Speed management is the critical front line," stated Dr. Bhargab Mukherjee, Professor, Civil Engineering Department, IIT Kharagpur and Member, Road Safety Network.

This MoU is a crucial step in Uttar Pradesh's journey to make its roads safer. By bringing together the government, IIT Kharagpur, and civil society, we can ensure technical solutions are applied where

ChetnaLucknow

## उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मौतों को कम करने के लिए एक सातवर्षीय कानून है, उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय प्रोडिक्टिविटी एक्शन प्लान (R1)। खड़गपुर के साथ एक समझौते ज्ञान (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में सबसे बड़ा सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण है, जो ट्रैफिक मोर्टल और घुबरा दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है।

यह MoU उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट सोर्ट में वैश्व ईशियन ग्रीनी इतिहास, लखनऊ में समानांतर मुहूर्तों से भी अधिक जलने लगे हैं, और यह हमारे समाने समाने बड़े चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अत्यधिकता और वैश्वीकरण कार्रवाई योजनाओं को परामर्श देने में सक्षम होना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के अभाव तक सीमित नहीं है, बल्कि

असमर्थता को MoRTH 2022 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। वन में घुबरा 2022 की तुलना में 4.7% बढ़ी है, और वैश्व अंतराष्ट्रीय के वलन लगभग 70% मौतें हुईं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भी अभिनवाक ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19 महामारी से भी अधिक जलने लगे हैं, और यह हमारे समाने समाने बड़े चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अत्यधिकता और वैश्वीकरण कार्रवाई योजनाओं को परामर्श देने में सक्षम होना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के अभाव तक सीमित नहीं है, बल्कि

सरकार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई में पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख उद्योग कारखाने—सेक्टरों, कलन, कलन, दुर्घटना, डेलीट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना—को संशोधित करना होगा, खास ही नियमित प्रचार अभियान, मैडिकल फिटनेस जांच और अनुसंधान तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उद्योग के तकनीकी कारोबार को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान दृष्टि में साथ सरकार उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक नई राह बनाने का योगदान करेगी।

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री दयशंकर सिंह ने कहा, सड़क सुरक्षा हमारे सरकार की सभी प्राथमिकताओं में से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उद्योग के तकनीकी कारोबार को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान दृष्टि में साथ सरकार उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक नई राह बनाने का योगदान करेगी।



मे से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उद्योग के तकनीकी कारोबार को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान दृष्टि में साथ सरकार उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक नई राह बनाने का योगदान करेगी।

पर, इस पल में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति नेटवर्क के साथ जोड़ना है। रोड सेफ्टी नेटवर्क (RSN) और सड़क सुरक्षा के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएँ। राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान (SRSAP) और हाल ही में अपनाए गए स्टेट पैमिगेंट ग्राइडलाइन्स के आधार

DainikBhaskar



# उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह MoU उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त श्री बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। IIT खड़गपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य डॉ. भार्गव मैत्रा ने कहा, हमारा दृष्टिकोण नीति और विज्ञान को सिंक्रनाइज करना है—सुनिश्चित करना कि हर हस्तक्षेप डेटा-आधारित हो और मापने योग्य प्रभाव के लिए निगरानी की जाए। गति प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा है। Consumer VOICE के CEO और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य अशिम सान्याल ने कहा, यह MoU उत्तर प्रदेश की सड़क सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार, IIT खड़गपुर और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, हम तकनीकी समाधान को वहां लागू कर सकते हैं, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है—मुख्य जोखिम कारकों जैसे कि ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना।



DeshPratidin

## उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए चरणबद्ध कार्रवाई, कड़ाई से कानून लागू करने और IIT खड़गपुर से तकनीकी समर्थन की अपील की



वेर प्रतियोगिता

सड़क, 6 सितंबर 2025 को सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक

चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह एक उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त श्री बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को उत्तर प्रदेश सरकार ने 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें

उत्तर प्रदेश में 20,657 मौतों और 44,500 से अधिक घुस्सों का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्यु दर 2022 की तुलना में 4.7% बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70 मौतें हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यातायात में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख जोखिम कारकों को ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना, सड़क सुरक्षा के साथ एक साझेदारी बनाने सड़क सुरक्षा उपायों को तकनीकी समाधानों के साथ जोड़ना होगा। IIT खड़गपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य डॉ. भार्गव मैत्रा ने कहा, हमारा दृष्टिकोण नीति और विज्ञान को सिंक्रनाइज करना है—सुनिश्चित करना कि हर हस्तक्षेप डेटा-आधारित हो और मापने योग्य प्रभाव के लिए निगरानी की जाए। गति प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा है। Consumer VOICE के CEO और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य अशिम सान्याल ने कहा, यह MoU उत्तर प्रदेश की सड़क सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार, IIT खड़गपुर और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, हम तकनीकी समाधान को वहां लागू कर सकते हैं, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है—मुख्य जोखिम कारकों जैसे कि ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना।

मौलिक राज्य बनाने। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने कहा, सड़क सुरक्षा हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारी गतिशीलता और सफलता को दर्शाती है। प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण, गति प्रबंधन और सड़क सुरक्षा के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएंगे। राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान (रा.से.स.प.) और हाल ही में अपनाए गए सीट बेल्ट और गैर-सुरक्षित ड्राइविंग पर दंडों के अलावा, इस पहल में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति में मिलाकर हमारे सड़क सुरक्षा को और भी अधिक सुरक्षित बनाएंगे। रोड सेफ्टी नेटवर्क (रे.स.नेट) और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य डॉ. भार्गव मैत्रा ने कहा, हमें सड़क सुरक्षा को एक सार्वजनिक धर्म बनाना होगा। जवाबदेही और प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक तकनीकी सलाहकार समूह, निगमित अकादमिक, सरकारी और नागरिक समाज के विशेषज्ञ शामिल

हैं। इससे को लागू करने में मदद करेगा। गति प्रबंधन, ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना। यह साझेदारी केवल एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह MoU उत्तर प्रदेश की सड़क सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार, IIT खड़गपुर और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, हम तकनीकी समाधान को वहां लागू कर सकते हैं, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है—मुख्य जोखिम कारकों जैसे कि ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना।

है। इससे को लागू करने में मदद करेगा। गति प्रबंधन, ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना। यह साझेदारी केवल एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह MoU उत्तर प्रदेश की सड़क सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार, IIT खड़गपुर और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, हम तकनीकी समाधान को वहां लागू कर सकते हैं, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है—मुख्य जोखिम कारकों जैसे कि ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना।

# उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक सातवर्षीय कार्य में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय औद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञान (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में पहला इस तरह का मिश्रित अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है-यह एक प्रमुख-आधारित डॉक है, जो ट्रैफिक मोटी और घुसु घातों को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है।

यह MoU उत्तर प्रदेश पुलिस-ट्रैफिक के दौरान ड्राइव गांवों प्रशिक्षण, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, पुलिस महानिदेशक श्री एस.एस. सिंह, परिवहन अहमक श्री सी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस समझौते की आवश्यकता को MoRTH 2023 ग्लोबल ड्राफ्टिंग किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतें और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का निर्वहण है, जो पूरे देश में सबसे अधिक



हैं। राज्य में मृत्यु 2022 को तुलना में 4.7% बढ़ी है, और केवल ओवरसपीडिंग के कारण लगभग 70% मौतें हुईं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19 जैसी तरह से भी अधिक खर्च ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़े

चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें आधुनिक और वैज्ञानिक कार्यवाई योजनाओं को नज़रबंद करने से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी खर्च के अलावा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का

कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें उभरते जेटिन कारकों-ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर ड्राइविंग, हैल्मेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना-को संबोधित करना होगा, साथ ही विविध दुर्घटना प्रोफ़ाइल, पैडलिंग किराने जति और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उपायों के तकनीकी कार्यान्वयन को मजबूत करेगी, जिससे मोती और शिक्षण साथ में साथ कामकर उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक मॉडल बनाने में मदद करेगा।

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री दयाराम सिंह ने कहा, सड़क सुरक्षा हमारी सरकार की जीर्ण प्रारम्भिकताओं में से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह सहयोग हमारी संघीयता और लगन को दर्शाता है। प्रमुख-आधारित रणनीतियों, गति प्रबंधन और सड़क प्रवर्तन के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए

सुनिश्चित सड़कें बनाएंगे।

राज्य रोड सेफ्टी एकरन प्लान (SRSAP) और हाल ही में अपनाया गए थ्रीड मैनेजमेंट प्लानिंग के आधार पर, इस पहल में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की गति नेटवर्क क्षमता के साथ जोड़ा गया है। रोड सेफ्टी नेटवर्क (RSN) और सड़क सुरक्षा कक्षा में अपनी NGO Consumer VOICE भी सार्वजनिक जागरूकता, जवाबदेही और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप को सफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक तकनीकी सलाहकार समूह, जिसमें अकादमिक, सरकारी और सार्वजनिक पक्ष के विशेषज्ञ शामिल हैं, हस्तक्षेपों को मॉडरन देगा, प्रगति को निगरानी करेगा और प्रमुख-आधारित गति निर्माण सुनिश्चित करेगा। प्रारम्भिक क्षेत्र में उच्च-जेटिन पार्श्व पर गति प्रबंधन, तकनीक आधारित दुर्घटना घटा प्रबंधन, सुनिश्चित सड़क डिजाइन और जांचक जन शिक्षा शामिल हैं।